भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4446

बुधवार, दिनांक 20 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

फोटोवोल्टिक मॉड्यूल टेस्टिंग एण्ड कैलिब्रेशन लैब

4446. श्री कामाख्या प्रसाद तासाः

डॉ. संजय जायसवाल:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) में नए पीवी मॉड्यूल टेस्टिंग एण्ड कैलिब्रेशन लैब के उद्देश्यों एवं क्षमताओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) एनआईएसई, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)-अनुरूप परीक्षण और उभरती सौर प्रौद्योगिकियों के प्रमाणन के माध्यम से उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत घरेलू सौर विनिर्माण को किस प्रकार सहायता प्रदान करता है;

(ग) वर्ष 2014 से भारत की संस्थापित सौर क्षमता और स्वदेशी विनिर्माण में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है तथा वर्ष 2030 के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(घ) अब तक प्रशिक्षित सूर्यमित्रों की संख्या महित एनआईएसई की कार्यबल विकास पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (एनआईएसई) में परीक्षण सुविधा का उद्देश्य फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूलों का परीक्षण करना और विभिन्न भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट जारी करना है। एनआईएसई विभिन्न आईएस/आईईसी मानकों के लिए परीक्षण और केलिब्रेशन भी प्रदान कर रहा है।

(ख) एनआईएसई देश में उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूलों के लिए विनिर्माण क्षमताओं की स्थापना हेतु उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत गुणात्मक और परीक्षण आवश्यकताओं के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। एनआईएसई की भूमिका में विनिर्माण सुविधाओं पर कमीशनिंग जांच और प्रवाह क्षमता (throughput**)** मूल्यांकन करना तथा साथ ही, प्रासंगिक बीआईएस मानकों के अनुसार, मॉड्यूल दक्षता और तापमान गुणांक का परीक्षण करना भी शामिल है।

(ग) दिनांक **31.03.2014** की स्थिति के अनुसार**,** देश की संस्थापित सौर क्षमता **~2.82** गीगावॉट थी**,** जो दिनांक **31.07.2025** तक बढ़कर **~119.02** गीगावॉट हो गई है।

मॉडलों और निर्माताओं की अनुमोदित सूची (एएलएमएम) के अनुसार**,** वर्ष **2014** में देश में स्थापित सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता लगभग **2.3** गीगावॉट थी, जो दिनांक 31.07.2025 की स्थिति के अनुसार, बढ़कर लगभग **91.6** गीगावॉट हो गई है।

(घ) एनआईएसई ने सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 63,713 सूर्यमित्र तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया है।

****